SALTOC Project
Title: Ataeva: Uttara Pradeśa Hindī Saṃsthāna kā traimāsika
Imprint: Lakhanaū : Uttara Pradeśa Hindī Saṃsthāna
OCLC: 19061276
Volume 2, nos. 10-11, November-December 1989
TOC Supplied by: Princeton University Library

अतएव

उ० प्र० हिन्दी संस्थान की मासिक पत्रिका

10-11

वर्ष : २, अंक : १०–११ नवम्बर-दिसम्बर १९८९

सम्पादक

दया प्रकाश सिन्हा

उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान

राजर्षि पुरुषोत्तमदास टण्डन हिन्दी भवन, महात्मा गांधी मार्ग, लखनऊ, उ० प्र०

मूल्य— वार्षिक पैंतीस रुपये : प्रति अंक : तीन रूपये पच्चास पैसे

अतएव

अपनी बात : ३

गतिविधि ६

डॉ० सम्पूर्णानन्द—**यशोविमलानन्द** ११

बाहर से कठोर, भीतर से कोमल—**प्रभाकर माचवे** १४

सागर और चांद—**जानकीवल्लभ पट्टनायक** १६

कहानी : गैंडा **जुआन ओर जोश एरियारो** १७

मणिपुर की प्राचीन संस्कृति और भाषा—**डॉ. विजय राघव रेड्डी** १६

कविता वातावरण की देन है—**नजीर बनारसी** २४

अस्तित्ववाद : स्वतन्त्रता की अवधारणा— **डॉ. हनुमन्त राय नीरव** २६

एक चाय, सिगरेट और आठ आने पैसे—**जगदीश चन्द्र** ३२

कविताएं : देवी की चरण वन्दना—**होरीलाल अग्रहरी 'कविलाल'** ३५

ब्यर्थ न बहको—**उमाशंकर मिश्र** ३८

मैं तो टूटा हुआ दरख्त हूं—**डॉ. रमाशंकर द्विवेदी** ३६

सहज भाषा बनाम सरल भाषा—**डॉ. रमाशंकर त्रिपाठी** ४६

कहानी : चोर-चरित्र—**शम्भूदत्त पाण्डेय** ५०

समीक्षा : **डॉ. सूर्य प्रसाद शुक्ल** ५८

बी. सिन्हा ६०/ **अशान्त** ६१/ **राजन** ६३/ यशोविमलानन्द ६४

लेखकों के विचार अपने हैं। सम्पादक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है।